



॥ श्री राधा जी के मूल मंत्र ॥
॥ श्री राधे राधे ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री राधा जी के मूल मंत्र ॥

. बीज मूल मंत्र (सर्वाधिक प्रचलित)

॥ ॐ श्री राधिकायै नमः ॥
मंत्र (देवनागरी):
ॐ श्री राधिकायै नमः॥

बीज मंत्र

॥ ॐ ह्रीं श्रीं राधिकायै नमः ॥

यह मंत्र प्रेम, भक्ति, सौभाग्य तथा श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्ति के लिए जपा जाता है।

3. राधा गायत्री मंत्र

॥ ॐ वृषभानुजायै विद्महे
कृष्णप्रियायै धीमहि।
तन्नो राधा प्रचोदयात्॥

4. राधा-कृष्ण मंत्र

॥ राधे कृष्ण राधे कृष्ण
कृष्ण कृष्ण राधे राधे।
राधे श्याम राधे श्याम
श्याम श्याम राधे राधे॥

जप विधि

प्रातःकाल या सायंकाल स्नान के बाद जप करें।

राधा-कृष्ण के चित्र या विग्रह के सामने घी का दीपक जलाएँ।

कमलगट्टा, स्फटिक या तुलसी की माला से जप करना शुभ माना जाता है।

कम से कम 108 बार (एक माला) जप करें।

जप के समय मन को शांत रखें और राधा रानी के चरणों का ध्यान करें।